बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

आराधनालय के एक अगुवे की यीशु से मुलाकात

लेखकः Edward Hughes

व्याख्याकारः Byron Unger; Lazarus

रूपान्तरकारः M. Maillot; Sarah S.

अनुवादः Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ताः Bible for Children
www.M1914.org

©2014 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

एक दिन यीशु आराधनालय गया तब उसने देखा कि लोग, वहां परमेश्वर के मंदिर का अपमान कर रहे थे। वे जानवरों की बिक्री और मंदिर में पैसे का आदान प्रदान कर रहे थे!

पड़े तार को एक कोड़ा जैसा बनाकर, यीशु ने व्यापारियों को मंदिर के बाहर निकाल दिया। उसने उन्हें आज्ञा दी, "इन सबको दूर ले जाओ मेरे पिता के घर को व्यापार की जगह मत बनाओ" यीशु, अपने पिता के घर से बेहद प्रेम रखता था।

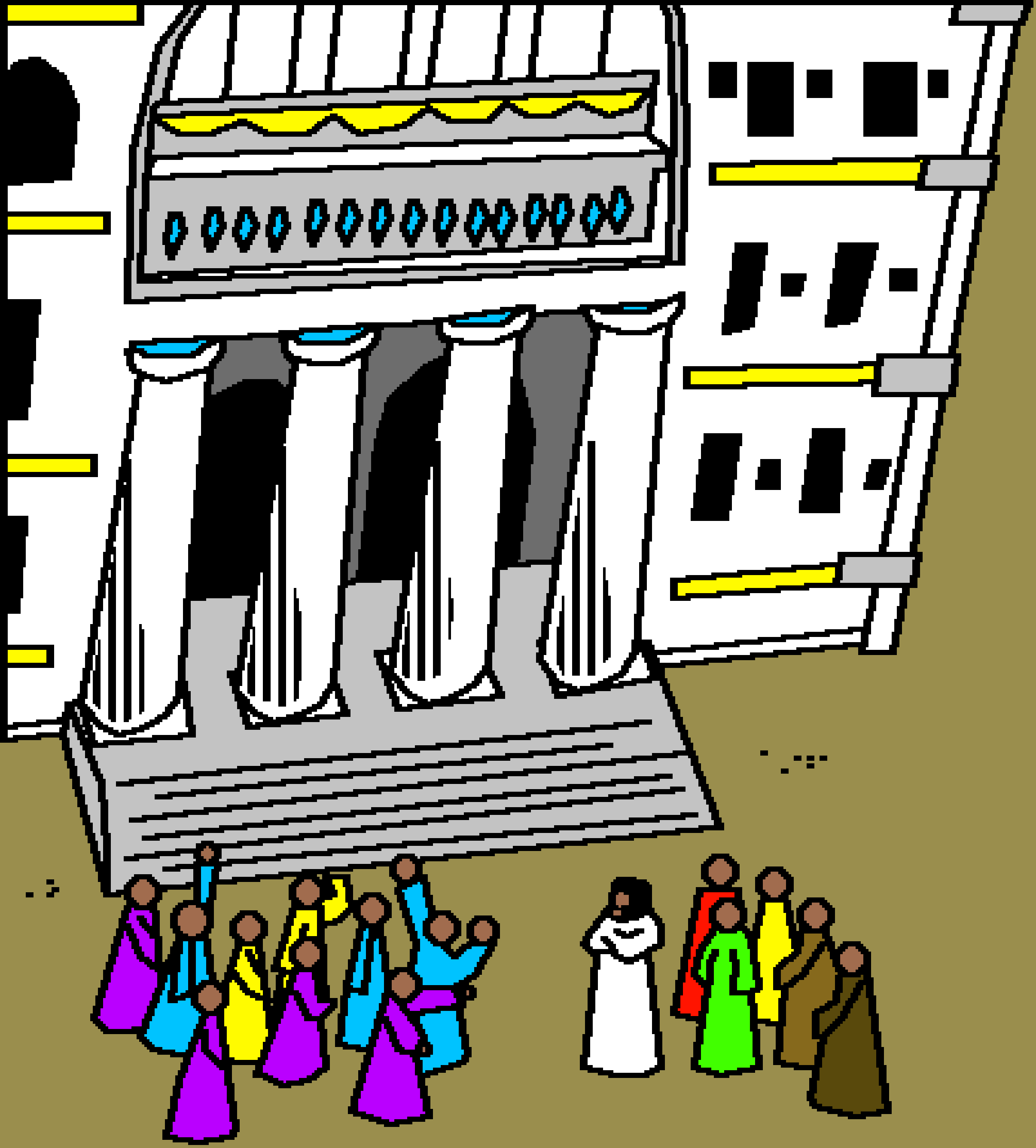

अगुओं ने यीशु को
चिंन्ह दिखाने के लिए
कहा जिससे मालूम
हो कि उसे मंदिर को
खाली करने का
अधिकार है। यीशु
ने उत्तर दिया, "इस
मंदिर को तुम नष्ट
कर दो और मैं उसे
तीन दिन में पुनः
खड़ा कर दूंगा।"
असंभव! इस मंदिर
के निर्माण में
छियालीस
साल लगे थे।

यीशु अपने शरीर के बारे
में कहा था। मंदिर की तरह,
उसका शरीर भी परमेश्वर का
निवास स्थान था। हालांकि
यीशु क्रूस पर मरेगा,
परन्तु उसे यह मालूम
था कि परमेश्वर उसे
तीसरे दिन मृतकों में
से जिलायेगा।

एक रात, आराधनालय के अगुओं में से एक ने यीशु से मुलाकात की। चमत्कारों के माध्यम से उसे पता था कि यीशु परमेश्वर की ओर से भेजा गया था। निकुदेमुस, यीशु के पास परमेश्वर के बारे में और अधिक जानने के लिए आया था।

यीशु ने नीकुदेमुस से कहा की लोगों को परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए नए सिरे से जन्म लेना होगा। निकुदेमुस इसे नहीं समझ पाया। एक बड़ा आदमी फिर से एक बच्चा कैसे बन सकता है? दिलचस्प बात यह है कि वह एक धार्मिक व्यक्ति था। क्या उसके लिए यह पर्याप्त नहीं था?

"आत्मा से जो जन्मा है वह आत्मा है," यीशु समझाया। "परमेश्वर की आत्मा एक हवा की तरह है। लोग हवा को देख या समझ नहीं सकते। हवा क्या करता है, हम केवल उसे ही देखते हैं"।

यीशु ने निकुदेमुस को याद दिलाया, पूर्व काल में इसराएल के बच्चों ने किस प्रकार मूसा से शिकायत करी। वे गिड़गिड़ाए, "हमारे पास कोई भोजन, पानी नहीं है, और हम परमेश्वर की दी इस रोटी से नफरत करते है।"

लोगों के पापों ने परमेश्वर को
क्रोधित किया। परमेश्वर, उनके बीच
उग्र नागों को भेजा। नागों ने लोगों
को डसा और बहुतेरे लोग मारे गए।

"हमने पाप किया है। प्रार्थना करो की यहोवा इन सांपों को हमसे दूर करे," लोगों ने विनती की" तब मूसा ने उनके लिए प्रार्थना की। लेकिन परमेश्वर उन नागों को उनसे दूर नहीं किया।

परमेश्वर ने मूसा से कहा की एक उग्र
नाग बना और एक ऊँचे पर उसे टांग
दे। परमेश्वर ने यह वादा किया, "हर
कोई जिसे नाग डसे वह जीवित रहेगा
यदि, वह ऊँचे पर टंगे नाग को देख ले।"
मूसा ने एक पीतल का नाग बनाया और
जितनों ने इसे देखा वे लोग चंगे हो गये।

यीशु ने नीकुदेमुस को बताया कि,
"मनुष्य का पुत्र भी इसी पीतल के
नाग की तरह ऊपर चढ़ाया
जायेगा।" यीशु उस क्रूस की
बात कही थी जिस पर
वह पापियों के लिए
मरने वाला था।

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से
ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना
एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि
जो कोई उस पर विश्वास
करे, वह नाश न हो,
परन्तु अनन्त
जीवन पाए।

इसका मतलब यह है
कि जो कोई यीशु में विश्वास
करता है वह परमेश्वर के
परिवार में पैदा
होता है।

शायद नीकुदेमुस उस रात यीशु का शिष्य नहीं बना। लेकिन सालों बाद, नीकुदेमुस, क्रूस पर चढ़ाये परमेश्वर के पुत्र को दफनाने में मदद करके यह दिखाया की वह यीशु में विश्वास और उसे प्यार करता था।

इस के बाद, यीशु और उसके चेले उत्तर दिशा में यात्रा करने के लिए निकल पड़े। अन्य लोगों को भी परमेश्वर के राज्य के बारे में सुनना और यीशु नासरी, परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करने का मौका मिलना जरूरत था।

आराधनालय के एक अगुवे की यीशु से मुलाकात

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

यूहन्ना 2-3, गिनती 21

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16